14.10.24

Tender Heart High School, Sector-33 B, Chandigarh.

कक्षा - तीसरी

शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

विषय- हिन्दी साहित्य

पुस्तक : तरंग हिन्दी पाठमाला - 3

पाठ - 10 राष्ट्रीय पक्षी - मोर

सुप्रभात प्यारे बच्चो!

आज हम कक्षा तीसरी की हिन्दी साहित्य की पाठ्यपुस्तक में दिए पाठ - 10 'राष्ट्रीय पक्षी - मोर' को पढ़ेंगे तथा समझेंगे।

बच्चो! जैसा कि आप जानते ही हैं कि मोर हमारा राष्ट्रीय पक्षी है। यह बहुत सुन्दर पक्षी है। जनवरी, 1963 को इसे राष्ट्रीय पक्षी घोषित किया गया। सभी पक्षियों में यह सबसे सुन्दर पक्षी है। इसकी सुराहीदार गर्दन, सिर का शाही ताज, रंग-बिरंगी दुम और बाँकी चाल सबको अपनी ओर खींच लेती है।

मोर के पैर भद्दे और खुरदरे होते हैं। इसके पंख इसे उड़ने में इतनी सहायता नहीं देते। शरीर भारी होने के कारण मोर ज़मीन से उड़कर वृक्ष पर जाकर बैठता है। यह बहुत तेज़ भी दौड़ता है।

मोर मोरनी से अधिक सुन्दर होता है। यह नाचते समय चारों ओर चक्कर लगाता है। इसकी

कक्षा - तीसरी

शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

विषय - हिन्दी साहित्य

दुम के पंखों में नीले रंग के चंद्रमा जैसे गोल सुन्दर चिह्न होते हैं। नृत्य करते समय इसकी दुम गोल पंखे की तरह फैल जाती है। घनघोर घटाएँ छा जाने पर और बादलों की गरजना सुनकर मोर मस्त होकर नाचने लगता है तथा और भी सुन्दर लगता है। मोर नाचते समय बीच में ज़ोर-ज़ोर से आवाज़ भी निकालता है। कुछ मोर सफ़ेद रंग के भी होते हैं।

बच्चो! मोर सर्वाहारी (सब कुछ खाने वाला) जीव है। यह कीड़े-मकौड़े, बेरियाँ, बीज इत्यादि खाता है। छोटा-मोटा साँप नज़र आ जाने पर उसे अपनी चोंच में पकड़कर ज़मीन पर पटक-पटक कर मार डालता है। कई बार तो यह साँप को निगल भी जाता है। मोर को साँप का शत्रु भी कहते हैं। यह मनुष्यों से कम डरता है। यदि मनुष्य इसे पालते हैं तो यह जल्दी ही हिल-मिल जाता है।

मोरनी एक साल में एक ही बार अंडे देती है. जो संख्या में दस से पच्चीस तक हो सकती है। मोर के बच्चे जब तक छोटे होते हैं तब तक तो नर या मादा की पहचान करना कठिन होता है। एक साल बाद नर मोर की दुम बढ़ने लगती है और कुछ समय बाद वह सुन्दर मोर बन जाता है। बच्चो! हमें मोर पंखों के लिए मोर को नहीं

कक्षा - तीसरी

विषय- हिन्दी साहित्य

मारना चाहिए। मोर को मारना कानून अपराध है।

बच्चो! आज हमारा यह पाठ पूरा हो चुका है। सभी बच्चे इस पाठ को दो-तीन बार ऊँचे स्वर में पढ़ेंगे।

गृहकार्य

सभी छात्र नीचे दिए कार्य को अपनी-अपनी साहित्य की कॉपी में लिखेंगे।

* कठिन शब्द

1. सुराहीदार 2. आकर्षित 3. नृत्य 4. माँसाहारी 5. सर्प 6. पच्चीस 7. प्राणी 8. अपराध 9. गरजना 10. चिह्न।

* सुलेख

सभी छात्र अपनी कॉपी में एक पृष्ठ सुलेख में लिखेंगे। सुलेख सभी बच्चे सुन्दर लिखाई में लिखेंगे।

* शब्द-अर्थ

1. सुराहीदार - सुराही के समान
2. घनघोर - घनी
3. देह - शरीर
4. चंद्रमा - चाँद
5. सर्प - साँप
6. बाँकी - मतवाली
7. शाही ताज - राजमुकुट
8. प्राणी - जीव
9. द्रुम - पूँछ
10. चिह्न - निशान

* वाक्य बनाओ

1. नृत्य - संगीता नृत्य सीखने जा रही है।
2. पक्षी - पक्षी आकाश में उड़ रहे हैं।
3. समय - हमें अपना काम समय पर पूरा करना चाहिए।

कक्षा- तीसरी

शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

विषय - हिन्दी साहित्य

4. शत्रु - मोर साँप का शत्रु होता है।
5. अपराध - बच्चों से मज़दूरी करवाना अपराध है।

सभी बच्चे पाठ-10 के कठिन शब्द, सुलेख, शब्द-अर्थ तथा वाक्य बनाओ अपनी-अपनी कॉपी में लिखेंगे। इन सभी कार्यों को बच्चे सुन्दर लिखाई में करेंगे। पाठ को भी दो से तीन बार ऊँचे स्वर में पढ़ेंगे।

धन्यवाद।

[Last Page]